

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: All that the hon. Minister has said, is in the discharge of his obligations as a Minister, he will have a departmental enquiry done. So far as the House is concerned, it is supreme. The Hon. Minister has only said and that was only his commitment that in view of all that has happened and since there are certain doubts, his Ministry will conduct an enquiry into the circumstances under which the N.R.Is. were appointed. ...*(Interruptions)*... Yes...*(Interruptions)*... No, no...*(Interruptions)*... The matter can be raised in the House at appropriate time...*(interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Why are you getting angry?

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, I wanted to ask a specific point. ...*(Interruptions)*... I wanted to ask a specific clarification. Sir, the entire issue has arisen out of the Question, which is the property of the House. Secondly, he has quoted profusely. He has not just made up the answer. He has quoted profusely from the notings on a file. And he has agreed for an inquiry because of the questions raised in the House. So, in the fitness of things you have to decide whether the enquiry should be conducted by a committee constituted by this House or by a committee constituted by the Ministry, in being fair to the difference of perceptions that are there, to which he himself has again agreed. This is up to you, Sir. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, I have not quoted. I have referred...*(Interruptions)*... Sir, I have not quoted profusely because the relevant files are not here...*(Interruptions)*... Therefore, I want to stand clarified...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The question basically is, he says that he has not quoted profusely. I think, the way he referred to certain notings of the Cabinet Secretariat means that he was saying something, which was official, and which

in the normal course is not said. Now I would say, since he is saying that he will have a departmental enquiry...*(Interruptions)*... please. let me speak—I hope if he can complete the departmental inquiry within the course of this session and report the findings, then we should consider it.

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, I agree to it...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Now, I have given my ruling...*(Interruptions)*... Please sit down...*(Interruptions)*... Please sit down. I have given my ruling and no questions on that. ...*(Interruptions)*... No questions on my ruling...*(Interruptions)*... No questions on my ruling...*(Interruptions)*... He will report to the House and then we shall see to it.

Now, question No. 383, Shri Dilip Singh Judev.

मध्य देश में विमानपत्तनों से राजस्व प्राप्ति

\*383. श्री दिलीप जुदेव: क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार तथा भारतीय राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण को प्रति वर्ष मध्य प्रदेश के सभी विमानपत्तनों से कितना राजस्व प्राप्त होता है;

(ख) राज्य से इंडियन एयरलाइंस तथा निजी एयरलाइनों द्वारा प्रति वर्ष कितनी उड़ानें की जा रही हैं और इनमें विमान यात्रियों का औसत प्रतिशत कितना है;

(ग) क्या मध्य प्रदेश विमान सेवाओं के मामले में अन्य राज्यों से अभी भी पिछड़ा हुआ है और यह सर्वाधिक उपेक्षित राज्य है; और

(घ) क्या वर्ष 1998-99 के दौरान राज्य के विमान पत्तनों को लम्बी दूरी के विमान सेवाओं से जोड़ने का कोई प्रस्ताव है, यदि हाँ, तो ऐसी सेवाएं कब तक प्रारंभ किये जाने की संभावना है?

नागर विमानन मंत्री (श्री अनंत कुमार): (क) से (घ) एक विवरण सदन के फटल पर रखा गया है।

### विवरण

(क) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने 1997-98 के दौरान मध्य प्रदेश में छः हवाई अड्डों अर्थात्, भोपाल, इंदौर जबलपुर, रायपुर, ग्वालियर और खजुराओ से 471.21 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया है।

(ख) इंडियन एयरलाइन्स और निजी एयरलाइनों ने वर्ष 1997-98 के दौरान मध्य प्रदेश में विभिन्न हवाई अड्डों से 6564 उड़ानें प्रचलित कीं। 1994-97 की अवधि के दौरान प्रति वर्ष औसत यात्री संख्या 2,12,530 थी।

(ग) जी, नहीं। मध्य प्रदेश में पांच हवाई अड्डों अर्थात् भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, रायपुर और खजुराओ के लिए नियमित अनुसूचित उड़ानें प्रचलित की जाती हैं।

(घ) जी, नहीं, तथापि, मध्य प्रदेश में अवस्थित स्थानों से यात्रा करने वाले यात्री हैदराबाद, चेन्नई, तिरुवनन्तपुरम्, बंगलौर, अहमदाबाद और कलकत्ता के लिए मुंबई/दिल्ली से विमान सेवा का लाभ उठा सकते हैं। एयरलाइनें मार्ग आवंटन मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुपालन के अध्यक्षीन, यातायात मांग तथा वाणिज्यिक व्यवहार्यता पर निर्भर करते हुए विशिष्ट स्थानों के लिए विमान सेवाएं मुहैया करने के लिए स्वतंत्र हैं।

श्री दिलीप सिंह जुदेव: सभापति जी, मैं आप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि जबकि इंडियन एयरलाइन्स को मध्य प्रदेश से अच्छी आय मिलती है और यात्रियों की संख्या में भी निरंतर वृद्धि होती जाता रही है, इस के बावजूद भी मध्य प्रदेश के पूर्वी इलाके, छत्तीसगढ़ के इलाके में लोग वायु सेवा से वंचित क्यों हैं? अभी हाल तक बिलासपुर के लिए वायुदूत की सेवाएं उपलब्ध थी, लेकिन वे बंद कर दी गयी हैं। रायपुर का सिर्फ दिल्ली तक ही मिलान है। इसलिए मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि रायपुर और बिलासपुर को हवाई सेवाओं से जोड़ने के लिए आप की कोई योजना है या नहीं?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, it is basically left to the commercial decision making of the airline. But, we will examine this matter and consider the suggestions of the hon. Member.

श्री दिलीप सिंह जुदेव: मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि मध्यप्रदेश में एक भी एअरपोर्ट को इंटरनेशनल एअरपोर्ट का दर्जा प्राप्त नहीं है। भोपाल को इंटरनेशनल एअरपोर्ट का दर्जा दिलाने के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, there are nine airports in Madhya Pradesh. Out of these, five are functional, and at five airports we are taking up developmental activities at a cost of Rs. 60 crores in this year. But, regarding the sanction of an international airport at Bhopal, as of today we are taking up five airports which are eminently qualified to become international airports, and these five airports are Bangalore, Hyderabad, Amritsar, Ahmedabad and Guwahati.

श्रीमती वीणा वर्मा: सर, मध्यप्रदेश के लिए जो एअरलाइन्स चल रही है, उन के विषय में मंत्री जी ने बताया कि 7 चल रही हैं, लेकिन मेरी जानकारी के अनुसार अभी कुछ दिन पहले खजुराहो के लिए दो फ्लाइट्स ली गयी हैं, जबलपुर की फ्लाइट बंद हो गयी है और बिलासपुर के लिए जो फ्लाइट पहले चलती थी, वह भी बंद है। मान्यवर, 1992 में एक यह निर्णय किया गया था कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कुछ फ्लाइट्स और बढ़ाई जाएंगी और इन को नियमित किया जाएगा। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि क्या ऐसा कोई प्रस्ताव विचारधीन है? इस के अतिरिक्त 1992 में आईसीसी 133 चलती थी जोकि मुंबई, अहमदाबाद, इंदौर, भोपाल और कलकत्ता जाती थी। मान्यवर, इस तरह की फ्लाइट जो कि कई स्टेट्स को जोड़ते हुए दिल्ली से कलकत्ता, दिल्ली से इंदौर, भोपाल होती हुई साउथ की तरफ, मुंबई की तरफ या कलकत्ता की तरफ जाती थी, लेकिन अब इस तरह का कोई लिंक नहीं रह गया है। मंत्री जी, अगर पर्यटन को बढ़ावा देना है तो मध्यप्रदेश को कुछ और फ्लाइट्स से जोड़ना होगा। जबलपुर फ्लाइट जो बंद हो चुकी है, वहां फ्लाइट लगानी होगी। अब जबलपुर में तो हाईकोर्ट भी है। बिलासपुर की फ्लाइट बंद हो चुकी है जबकि छत्तीसगढ़ राज्य की घोषणा जल्द ही सरकार करने वाली है। पर्यटन के हिसाब से सांची वर्ल्ड का हिस्टोरिकल प्लेस है, उस को जोड़ने के लिए कोई फ्लाइट नहीं है। अगर रायपुर से किसी को साउथ जाना है, तो उसे पहले रायपुर से दिल्ली आना पड़ेगा या रायपुर से मुंबई जाना पड़ेगा। वहां से कलकत्ता पास है, लेकिन वह फ्लाइट से सीधे कनेक्टेड नहीं है। उसी तरह साउथ के लिए कोई फ्लाइट कनेक्शन नहीं है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि मध्य प्रदेश में बहुत सारे एअरपोर्ट्स हैं जोकि आपस में कनेक्टेड नहीं हैं और चालू नहीं हैं और बहुत सी जैसे कि वायुदूत, पवनहंस की फ्लाइट्स बंद पड़ी हैं, उस के लिए छोटे इंटरस्टेट एअरक्राफ्ट्स चलाने की सरकार की

कोई योजना है या नहीं? फिर डाउन साउथ से जोड़ने के लिए वहां कोई फ्लाइट्स ले रहे या नहीं और जो फ्लाइट्स बंद हो चुकी हैं जोकि मेन-मेट्रो सिटीज से चलती थी, उन को फिर से चलाने की आप की कौन-कौन सी योजना है? साथ ही अभी रायपुर एअरपोर्ट और भोपाल एअरपोर्ट का विस्तार किया गया है तो क्या उन को आप कुछ अतिरिक्त फ्लाइट्स देने जा रहे हैं?

**SHRI ANANTH KUMAR:** Mr. Chairman, Sir, I appreciate the love of the hon. Members towards the south and many historic places of importance, especially, Bilaspur, Raipur and Sanchi. As of today, the cities of Gwalior, Bhopal, Indore, Raipur and Khajuraho are linked either with Delhi or with Mumbai.

For sub-regional routes, we require 50-seaters. We are going to give a 'yes' not to acquiring nearly twenty 50-seaters very shortly. When those are in, then we can go in for many more connections.

**SHRI O. RAJAGOPAL:** Mr. Chairman, Sir, Raipur Airport is one of the most congested, most inconvenient airport that I have seen in the country. A new airport building has been built; I have seen that. But, it has not been commissioned. Considering all these factors, I would like to know from the hon. Minister as to when the Government proposes to inaugurate the new airport building in Raipur.

**SHRI ANANTH KUMAR:** Raipur new terminal facility and upgradation work is on the verge of completion and very soon we will be commissioning that.

**श्री गया सिंह:** सभापति महोदय, मेरा सवाल तो वीणा वर्मा जी ने कर दिया है। मैं सिर्फ एक सप्लीमेंटरी करना चाहता हूँ। महोदय, मध्य प्रदेश एक बड़ा स्टेट है और अभी सतना से इधर और बिलासपुर व छत्तीसगढ़ की बात की गयी।

कोई भी ट्रेन, भोपाल तक तो ठीक है, लेकिन बड़े बड़े नगरों से, बड़ी बड़ी सिटीज से डायरेक्ट ऐसी कोई ट्रेन नहीं है, जो वहां जल्दी आ सकती हो और इसलिए वहां इंडस्ट्रीज लगाने के लिए प्रोब्लम आ रही है।...[व्यवधान]...जी, मैं ट्रेन की बात कर रहा हूँ,

प्लेन की बात पर तो उसके बाद आऊंगा। जब वहां ट्रेन की हो सुविधा नहीं है, प्लेन की सुविधा बाद की बात है। यह सही है, प्लेन की सुविधा भी नहीं है। ऐसी स्थिति में मध्यप्रदेश के लिए जहां सत्ताधारी आप सरकार बनाने की योजना बना रहे हो, अगर मध्यप्रदेश में सुविधा का नहीं करोगे तो नवंबर में फिर कैसे वहां जाओगे? इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि कुछ करें।

**SHRI ANANTH KUMAR:** Sir, the development of both airports and aviation in respect of Madhya Pradesh would be given due priority.

**SHRI J. CHITHARANJAN:** I would like to know from the hon. Minister whether he would think of starting a direct flight connecting Bhopal, Hyderabad and Chennai; either an extended flight or a direct flight.

**SHRI ANANTH KUMAR:** Sir, such decisions are made on the basis of commercial viability. But we will examine this proposal.

**श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** सभापति जी, सारे देश में जो छोटे छोटे एअरपोर्ट हैं, वहां से एअरपोर्ट अथोरिटी पर-पैसेंजर 125/- रुपया लेती है और यह जो कमाई इंडियन एअरलाइन्स को होती है, उससे खर्चा सब बड़े बड़े एअरपोर्ट पर होता है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि जहां पर छोटे छोटे एअरपोर्ट हैं और यह एअरपोर्ट Per month. they are giving Rs. 6 lakhs: clear-cut. तो क्या उस रकम में से मंत्री महोदय छोटे छोटे एअरपोर्ट पर भी कुछ सुविधा प्रदान करेंगे? या ऐसी कोई उनके पास योजना है? क्योंकि आज दिन तक छोटे एअरपोर्ट पर कोई सुविधा है नहीं।

**SHRI ANANTH KUMAR:** Mr. Chairman, Sir, I appreciate the concern of the hon. Member in regard to the upgradation of smaller airports. This is the agenda we are pursuing. Out of 120 odd airports in the country, only 55 are functional. The others are quasi-functional because of upgradation. We are taking up the matter very, very seriously.

Mr. Chairman; Miss Frida Topno. Is it regarding Madhya Pradesh?

कुमारी फिज़ा टोपनो: सर, उड़ीसा का सेम क्वेश्चन नंबर 397 पर है, जो इंटरनेशनल एअरपोर्ट के बारे में है।

MR. CHAIRMAN: We could have done it. But this question is specifically relating to Madhya Pradesh.

कुमारी फिज़ा टोपनो: सर, सेम क्वेश्चन है, इसलिए मैं पूछना चाहता थी।

MR. CHAIRMAN: No. Shri Govindram Miri.

श्री गोविन्दराम मिरि: सभापति महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया कि मध्यप्रदेश के 6 हवाई अड्डे हैं, जो फंक्शन में हैं और उनसे 47.21 लाख रुपया उन्होंने वर्ष 1997-98 में वसूला। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि किन-किन हवाई अड्डों से कितना-कितना रुपया इन्होंने अर्जित किया? इसमें रायपुर का क्या प्रतिशत है? क्या निकट भविष्य में रायपुर में एअरपोर्ट का आप विस्तार करेंगे? साथ ही मैं यह भी जानना चाहूंगा कि कब तक हमारे यहां यह एअर बस चल जाएगी? और, यह जो आय अर्जित हुई है, उसमें निजी और इंडियन एअरलाइन्स का कितना-कितना प्रतिशत है?

SHRI ANANTH KUMAR: Sir, the revenue earned by the Airports authority of India from the operations in Raipur is Rs.47.51 lakhs. The expenditure is Rs.86.72 lakhs. This is in regard to Raipur.

Regarding operating an Airbus, again, It is a matter of commercial decision which we can examine. (Interruptions)

SHRI GOVINDRAM MIRI: I had asked about the runway also. (Interruptions) Very small; 625 feet only.

SHRI ANANTH KUMAR: We will examine that matter also.

SHRI GOVINDRAM MIRI: Thank you.

MR. CHAIRMAN: question No. 384. Shri Poulose.

SHRI C.O. POULOSE: question No. 384.

MR. CHAIRMAN: question Hour is over.

## WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Proposal to split AAI into small companies

\*384. SHRI C.O. POULOSE:  
SHRI JIBON ROY:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to split Airport Authority of India into several smaller companies;

(b) if so, the details of the proposal; and

(c) the justification for examination of the proposal and the progress made in the matter?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI ANANTH KUMAR): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

## Hardships Faced by Private Telecom Operators

\*385. SHRI YADIAPATI VENKAT RAO: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the hardships faced by the Private Telecom Operators;

(b) whether the Telecom Commission propose to make radical changes in the wake of increased private participation in the core sectors; and

(c) if so, the details of the proposed changes?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRIMATI SUSHMA SWARAJ): (a) some constraints have been experienced by the private telecom operators in implementing their network roll out plans, both in physical & financial terms.